

२१८
२३

पत्रावली पेश हुई। वकील उमथपन
 वादी मय आर्चवला इपास्त लेकर
 एक आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया
 कि उक्त प्रकरण में पक्षकारान् के मध्य लोक
 अदालत की भावना से राजीनामा ले गपा है।
 प्रतिवादी नम्बर-१ महेन्द्रासिंह दाश आराजीनं.
 १६९८ रकबा १.०५ में १६/५२ हिस्सा प्रतिवादी
 नं. २ के पक्ष में तथा १६/५२ हिस्सा २A
 के पक्ष में 'दिये बाधे विक्रय दिनांक २२/५/२०२२
 से वादी सहमत है। आराजीनं. १६९८ रकबा
 रकबा १.०५ प्रतिवादीगन नं. २ व २A के अल
 आर्चकार की है जिसमें वादी का कोई
 एक आर्चकार शेष नहीं रहा है। अब कोई
 विवाद शेष नहीं रहा है। अतः वादी
 इस वाद में अब कोई नहीं चाहता है।
 उक्त प्रकरण को जारिये-विद्वावल फैसल
 किया जावे। वकील वादी को सुना गया।
 वकील वादी का विद्वावल प्रार्थना पत्र
 स्वीकार किया जाकर वादी का वाद
 विद्वावल के आन्वार इसी स्टेज पर विद्वा
 वर खारिज किया जाता है। पत्रावली
 फैसल सुनार लेकर नम्बर से कम हो।

महेश्वर
 (राजेश वर्मा)

सहायक वलाटर
 गिन्नाहेडा

